शिमला से प्रकाशित

सरोकारी पत्रकारिता के लिए समर्पित

शैल

निष्पक्ष एवं निर्भीक साप्ताहिक समाचार

प्रकाशन का 49 वां वर्ष

ई – पेपर

www.facebook.com/shailsamachar

प्रदेश का पहला ऑनलाईन साप्ताहिक

वर्ष 49 अंक – 20 पंजीकरण आरएनआई 26040/74 डाक पजींकरण एच. पी./93 /एस एम एल Valid upto 31-12-2026 सोमवार 6 – 13 मई 2024 मूल्य पांच रूपये

निर्दलीयों का भविष्य और भाजपा की रणनीति सवालों में

- नेता प्रतिपक्ष चुनावों के बाद भाजपा की सरकार बनने का दावा कर रहे हैं
- मुख्यमंत्री बिकाऊ विधायकों के शीघ्र सलाखों के पीछे होने का दावा कर रहे
- किसका दावा पहले पूरा होता है इस पर लगी निगाहें
- इन दावों के बीच प्रदेश के मुद्दे हुए गायब

शिमला/शैल। निर्दलीय विधायकों के त्यागपत्र का मामला कानूनी चाल में फंसकर लटक गया है। सरकार और कांग्रेस यही चाहती थी की निर्दलीयों के उप चुनाव अभी न हो। इसमें कांग्रेस को सफलता मिल गयी है। लेकिन कांग्रेस की इस सफलता के साथ ही यह सवाल भी उठ गया है कि अब भाजपा का अगला कदम क्या होगा? क्योंकि इस सारे प्रकरण में राज्यसभा चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग से लेकर इन निर्दलीयों के त्यागपत्र तक भाजपा नेतृत्व की सक्रिय भूमिका रहना

जग जाहिर हो चुका है। सामान्य राजनीतिक समझ वाला व्यक्ति भी यह प्रश्न कर रहा है की निर्दलीयों को त्यागपत्र देने और फिर भाजपा में शामिल होने की आवश्यकता ही कहां थी। बतौर निर्दलीय जब उन्होंने राज्यसभा के लिये भाजपा के पक्ष में वोट किया तो आगे भी वह भाजपा को समर्थन देना जारी रख सकते थे। क्योंकि भाजपा में त्यागपत्रों की स्वीकृति से पहले ही शामिल हो जाना निश्चित रूप से दल बदल के तहत आता है। फिर त्यागपत्र देते हुये नेता प्रतिपक्ष का उनके साथ रहना निश्चित रूप से उनकी स्वेच्छा पर प्रश्न चिन्ह लगाने का एक ठोस आधार बन जाता है।

इस परिपेक्ष में यह सवाल भी उठता है कि जब कांग्रेस अपने छः लोगों को क्रॉस वोटिंग करने के बाद निष्कासित करके उनकी रिक्तियों की सूचना तक चुनाव आयोग को भेज चुकी थी तब क्या निर्दलीयों के मामले में कोई भी कदम उठाते हुये सारे कानूनी पक्षों पर गंभीरता से विचार नहीं कर लिया जाना चाहिये था। इसी के साथ यह भी सवाल उठता है कि क्या निर्दलीयों के त्यागपत्रों का फैसला यहीं प्रदेश नेतृत्व के स्तर पर ही ले लिया गया। क्योंकि यदि यह फैसला केंद्रीय नेतृत्व की सलाह पर लिया गया है तो क्या वहां भी कानूनी संभावना पर किसी ने विचार नहीं किया। क्योंकि जो कुछ निर्दलीयों के साथ घटा है उसके बाद भाजपा के इन दावों की विश्वसनीयता पर स्वतः ही प्रश्न चिन्ह लग जाता है की चुनावों के बाद सरकार गिर जायेगी? इस समय कांग्रेस का भाजपा पर सबसे बड़ा आरोप ही यह है कि भाजपा धनबल के सहारे सरकार गिराना चाहती है। कांग्रेस सारा चुनाव इसी मुद्दे के गिर्द केंद्रित करने का प्रयास कर रही है। फिर निर्दलीयों के मामले पर भाजपा का कोई भी नेता कुछ भी नहीं बोल रहा है। ऐसी चुप्पी प्रदेश नेतृत्व में अपना रखी है कि जैसे निर्दलीयों के साथ उनका कोई रिश्ता ही न हो। वैसे भी भाजपा और कांग्रेस प्रदेश के मुद्दों पर चुप ही चल रहे हैं।

इस परिदृश्य में यह तय है कि चुनाव परिणाम के बाद बदली राजनीतिक परिस्थितियों में इन निर्दलीयों के लिये स्थितियां ज्यादा अनुकूल रहने वाली नहीं है। चुनाव परिणामों के बाद भाजपा की सरकार बनने के दावों को अमलीशक्ल देने के लिये कांग्रेस के अन्दर और सेन्धमारी करनी होगी। उस सेन्धमारी की भूमिका अभी बांधनी होगी। इस समय प्रदेश से केंद्र सरकार में एक ताकतवर मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर हैं। इन्हीं के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी प्रदेश से ही ताल्लुक रखते हैं। संयोगवश अनुराग और नड्डा दोनों उसी हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से हैं जिससे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आते हैं। यही संसदीय क्षेत्र कांग्रेस में हुये विद्रोह का केंद्र रहा है। कांग्रेस के चार निष्कासित और दो निर्दलीय इसी क्षेत्र से आते हैं। फिर इन सभी को भाजपा ने चुनावी उम्मीदवार भी बनाया है। इसलिये यह नहीं माना जा सकता कि कांग्रेस के जिस विद्रोह को धनबल से सरकार गिराने का प्रयास कहा जा रहा है उसकी पूरी जानकारी और सहमति इन दोनों भाजपा नेताओं को न रही हो। इस ऑपरेशन का मुख्य किरदार भले ही हर्ष महाजन रहे हों क्योंकि उन्ही को इसका पहला लाभ मिला है। लेकिन यह ऑपरेशन जिस ढंग से आधे में आकर रुक गया है उससे भाजपा के प्रदेश नेतृत्व से ज्यादा फजीहत केंद्रीय नेतृत्व की हुई है। क्योंकि एक राज्यसभा सीट के लिये यह सब कर दिया गया हो ऐसा नहीं लगता। निश्चित रूप से राज्य सरकार एजैण्डे पर रही होगी।

इसलिये जिस तरह की कानूनी चालों से निर्दलीयों का मामला लटकाया गया हो उसका जवाब देने के लिये भाजपा की ओर से किस तरह की रणनीति अपनाई जाती है यह देखना दिलचस्प होगा। क्योंकि ऊना में खनन माफिया एक अरसे से निशाने पर चल रहा है। कई प्रभावशाली लोगों के बेनामी टिप्पर चर्चा में हैं। अदालत के आदेशों से स्टोन क्रशर बन्द हुये हैं। बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़ क्षेत्र में स्क्रैप माफिया चर्चा में चल ही रहा है। कुछ अधिकारियों को लेकर पत्र बम्ब फूट ही चुके हैं। फिर मुख्यमंत्री बिकने वाले विधायकों के शीघ्र ही सलाखों के पीछे होने का हर जनसभा में दावा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह दावा भाजपा के लिये एक बड़ी ललकार माना जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष सरकार बदलने के दावे कर रहे हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा की किसके दावे में कितना दम निकलता है। विश्लेष्कों के मुताबिक इन्हीं चुनाव के बीच इन दावों को लेकर कुछ घटेगा।

राज्यपाल ने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारम्भ किया

शिमला/शैल। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय संस्कृति को वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप समझने की आवश्यकता है

और भारत को विश्व की अग्रणी पंक्ति में लाने के लिए हमें अपनी गौरवशाली संस्कृति पर गर्व करना होगा।

राज्यपाल आज महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के शुभारम्भ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद एक युग प्रवर्तक महापुरूष थे जिन्होंने समग्र क्रांति का सूत्रपात कर 'वेदों की ओर लौट चलो' का नारा दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने वैदिक संस्कृति, धर्म और दर्शन की रक्षा के लिए वैदिक संदेश का प्रचार किया और वैदिक धर्म में आई विकृतियों को दूर करने के लिए ठोस प्रयास किए। उन्होंने समाज सुधार की दिशा में अनेक कार्य किये, जिनमें जाति प्रथा और अस्पृश्यता को दूर कर दलितों के उत्थान का कार्य, बाल विवाह और सती प्रथा का विरोध और विधवा पुनर्विवाह का समर्थन आदि शामिल थे।

राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया और परिणामस्वरूप आज पूरे देश में हजारों गुरुकुल चलाए जा रहे हैं, जहां से शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत छात्रों ने दुनिया भर में वैदिक संस्कृति की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद ने नारी जागृति का उद्घोष किया तथा उनकी शिक्षा के लिए अथक प्रयास किए जिसके फलस्वरूप अनेक कन्या गुरुकुल एवं महिला महाविद्यालयों की स्थापना हुई। उन्होंने ही सबसे पहले स्वराज और स्वदेशी के महत्व को उजागर किया था। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संस्थान की सराहना भी की।

आईआईएएस की शासी निकाय की अध्यक्ष प्रो. शशि प्रभा कुमार ने स्वामी दयानंद सरस्वती के लेखन कार्यों विशेषकर संस्कृति एवं स्थानीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बालिका शिक्षा में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके योगदान का ही परिणाम है कि आज महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

राजभवन में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस

शिमला/शैल। राजभवन में विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी और हिमाचल प्रदेश रेडक्रॉस अस्पताल कल्याण अनुभाग के सदस्यों

एवं पदाधिकारियों ने राज्यपाल एवं हिमाचल प्रदेश रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष शिव प्रताप शुक्ल तथा लेडी गवर्नर एवं प्रदेश रेडक्रॉस अस्पताल कल्याण अनुभाग की अध्यक्षा जानकी शुक्ल को रेडक्रॉस फ्लैग लगाये।

इस वर्ष विश्व रेडक्रॉस दिवस का विषय 'मानवता को जीवित रखना' है। राज्यपाल ने रेडक्रॉस सोसाइटी के लिए अंशदान भी किया।

राज्यपाल ने भारत रेडक्रॉस सोसाइटी हिमाचल प्रदेश के सभी सदस्यों और स्वयंसेवकों की प्रदेश में रेडक्रॉस आंदोलन को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर और तिब्बती स्कूल छोटा शिमला के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की सहायता के लिए रेडक्रॉस स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को प्रदर्शित करता एक लघु नाटक भी प्रस्तुत किया। बच्चों ने राज्यपाल और लेडी गवर्नर को रेडक्रॉस फ्लैग भी लगाया। राज्यपाल और लेडी गवर्नर ने विद्यार्थियों को मिठाईयां भी बांटी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आमजन में रेडक्रॉस के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए रैली भी निकाली।

राज्यपाल के सचिव तथा राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव राजेश शर्मा, हिमाचल प्रदेश रेडक्रॉस सोसाइटी, रेडक्रॉस अस्पताल कल्याण अनुभाग के सदस्य और राजभवन के अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

आईपीएल मंच से 'हार्मनी ऑफ पाइन्स' द्वारा रचित चुनावी थीम सॉन्ग लॉन्च

शिमला/शैल। मुख्य निर्वाचन अधिकारी हिमाचल प्रदेश मनीष गर्ग ने धर्मशाला के किक्रेट स्टेडियम से स्वीप गतिविधियों के तहत चुनावों पर आधारित विषय पर एक गीत थीम सॉग को जारी किया। मतदाताओं को उनके वोट के महत्व के प्रति जागरूक करने वाला यह गीत प्रख्यात पुलिस बैंड 'हार्मनी ऑफ पाइन्ज' द्वारा लयबद्ध किया गया है। धर्मशाला में रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू और पंजाब किंग्ज के बीच खेले गये आईपीएल मैच के दौरान थीम सॉग को स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर चलाया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस गीत को आईपीएल मैच के दौरान जारी करने का मुख्य उद्देश्य मैदान में उपस्थित दर्शकों के साथ-साथ देश भर में विभिन्न माध्यमों से प्रसारण देख रहे लोगों को मतदान के महत्व के बारे जागरूक करना है। इस गीत को हिन्दी, राजस्थानी, मराठी, बांगला, पंजाबी आदि भारत की 10 अलग-अलग भाषाओं में गाया गया है। गीत के वीडियो को हिमाचल प्रदेश के विभिन्न प्रसिद्ध स्थलों तथा देश के अन्य स्थलों पर फिल्माया गया है और इसमें भारत की समृद्ध संस्कृति व राष्ट्रीय एकता को प्रदर्शित करने के अतिरिक्त पूरे भारत में लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में मतदान करने का संदेश दिया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा

कि यह अनूठी पहल भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश निर्वाचन विभाग द्वारा चलाई जा रही स्वीप गतिविधियों का हिस्सा है।

गर्ग ने कहा कि निर्वाचन विभाग हिमाचल प्रदेश में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को वोट का महत्व बताने और एक जून 2024 को होने वाले लोकसभा व विधानसभा उप-चुनावों में अपनी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में भी हिमाचल प्रदेश निर्वाचन विभाग ने विधानसभा चुनावों के दौरान 'हार्मनी ऑफ पाइन्ज' ने 'वोट करो, मतदान करो' गीत जारी किया गया था। इस गीत को इंटरनेट के माध्यम से 2.5 मिलियन लोगों ने देखा।

राज्य एड्स नियंत्रण समिति की दो दिवसीय कार्यशाला आरम्भ

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति शिमला में मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आरम्भ हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए समिति के परियोजना निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश में कार्यरत हेल्थ एजुकेटर, हेल्थ सुपरवाइजर और बी.सी. कॉर्डिनेटर को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करना है। कार्यशाला में सभी जिलों के 60 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को सरकार द्वारा एचआईवी, एड्स, यौन रोगों से ग्रसित लोगों के लिए कार्यान्वित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। यह मास्टर ट्रेनर प्रदेश के विभिन्न भागों में लोगों को एड्स व एचआईवी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जागरूक करेंगे।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को इस वित्त वर्ष में चलाये जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने तथा एचआईवी को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों के साथ सम्मिलित करने की जानकारी भी प्रदान की जाएगी।

राज्यपाल ने किया अश्वनी वर्मा की दो पुस्तकों का विमोचन

शिमला/शैल। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राजभवन में वरिष्ठ

पत्रकार अश्वनी वर्मा की दो पुस्तकों, 'भगवान श्री परशुराम' और 'श्री यमुना' का विमोचन किया।

राज्यपाल ने लेखक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक और आस्था पर आधारित दोनों ही पुस्तकें पाठकों के लिए ज्ञान का भण्डार हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री परशुराम पुस्तक में लेखक ने रामायण, महाभारत और विभिन्न पुराणों के संदर्भ प्रस्तुत किए हैं और भगवान परशुराम के विभिन्न रूपों का वर्णन किया है। उन्होंने कहा कि श्री रेणुका जी तीर्थ से लेकर कुरूक्षेत्र की महिमा तथा राम-लखन परशुराम संवाद सहित अनेक विषयों को श्रद्धाभाव से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि श्री यमुना नामक दूसरी पुस्तक में लेखक ने यमुना को केवल नदी नहीं बल्कि माता स्वरूप में प्रस्तुत किया है।

राज्यपाल ने लेखक को शुभकामनाएं देते हुए अपने लेखन कार्यों को भविष्य में भी जारी रखने को कहा।

एमएसपी से अधिक लाभांश पर शराब विक्रय पर सख्त कारवाई

शिमला/शैल। राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त डॉ. यूनुस ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार को रोकने के लिए विभाग द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसके तहत हिमाचल प्रदेश में शराब कारोबारी न्यूनतम विक्रय मूल्य एमएसपी पर 10 से 30 प्रतिशत लाभांश पर ही शराब बेच सकेंगे। इसकी अवहेलना करने वाले कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। अगर लाभांश की तय दरों से अधिक दाम बसूलने पर शराब का विक्रय किया गया तो संबंधित ठेकेदार पर हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम, 2011 व उसके तहत बनाए गए नियमों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. यूनुस ने कहा कि विभाग को अधिक लाभांश पर शराब विक्रय की जो शिकायतें आयी हैं उन पर सख्त कारवाई की गई है। अभी तक 70 कारोबारियों के चालान किए जा चुके हैं। विभाग द्वारा शराब की दुकानों पर आबकारी नीति के तहत एमएसपी और लाभांश के बारे में जानकारी प्रदर्शित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

आबकारी नीति के तहत सिंगल माल्ट, व्हिस्की, रम, जिन, वोदका, बायो बीयर/बायो वाइन, साइडर पर दस प्रतिशत लाभांश, भारत में निर्मित सभी बीयर ब्रांड पर 30 प्रतिशत लाभांश तय किया गया है। देशी शराब पर 30 प्रतिशत लाभांश तय किया गया है। देश में बनी लो ब्रांड अंग्रेजी शराब पर 15 फीसदी और हाई ब्रांड शराब पर 30 फीसदी लाभांश तय किया गया है।

न्यूनतम विक्रय मूल्य से 10 से 30 फीसदी लाभांश से अधिक शराब के विक्रय से संबंधित शिकायत के लिए विभाग ने दूरभाष नम्बर भी जारी किए हैं। कांगड़ा जोन में दूरभाष नम्बर 01894230186, मंडी जोन में 01905223499 और शिमला जोन में दूरभाष नम्बर 01772620775 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

आबकारी आयुक्त ने कहा कि इस प्रकार के मामलों की टोल-फ्री नम्बर 18001808062, दूरभाष नम्बर 0177-2620426 तथा व्हाट्स ऐप नम्बर 94183-31426 व controlroomhq@gmail.com पर जानकारी साझा करें।

शैल समाचार
संपादक मण्डल
संपादक- बलदेव शर्मा
सयुक्त संपादक:जे.पी.भारद्वाज
विधि सलाहकार: ऋचा शर्मा

कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल रायज़ादा ने हमीरपुर लोकसभा सीट से नामांकन किया

शिमला/शैल। हमीरपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल रायज़ादा ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की उपस्थित में अपना नामांकन दाखिल किया। इसके

बाद हमीरपुर पुलिस लाइन ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमीरपुर के लोग मेरी ताक़त हैं और यहां के लोगों ने मेरा हर पल साथ दिया है। आज मैं जिस मुक़ाम पर पहुँचा हूँ, उसके लिए हमीरपुर और नादौन की जनता का जीवन भर आभारी रहूँगा। उन्होंने कहा कि लोगों का विश्वास मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आप सभी के आशीर्वाद से आज एक साधारण परिवार से निकलकर मैं मुख्यमंत्री बना हूँ। उन्होंने कहा कि अपने नेता पर विश्वास करने के लिए मैं सबको धन्यवाद देता हूँ।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर हमीरपुर जिला की अनदेखी का आरोप लगाते हुए ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार में हमीरपुर जिला से जानबूझकर कर एक भी मंत्री नहीं बनाया गया। जिस जिला को मुख्यमंत्री के साथ-साथ मंत्री पद मिलता था, उस जिला को पिछली सरकार में कोई जगह नहीं दी गई। उन्होंने पूछा कि जयराम ठाकुर ने पांच साल में हमीरपुर जिला के लिए क्या किया। पंद्रह साल पहले मुख्यमंत्री रहते प्रेम कुमार धूमल ने हमीरपुर में बस अड्डे का शिलान्यास किया था और जयराम ठाकुर ने बस अड्डा बनाने के लिए एक पैसा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मेरे मुख्यमंत्री का पद संभालते ही युद्ध स्तर पर बस अडडा बनाने का काम शुरू हो गया है जो आने वाले नौ महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके साथ ही गांधी चौक की तारों को अंडरग्राउंड करने का काम भी शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण चुनाव नहीं है क्योंकि आपका वोट तय करेगा धनबल की जीत होगी या जनबल की।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि दागी प्रदेश की जनता को बतायें कि वह एक महीने तक प्रदेश से बाहर क्यों रहे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए सौदेबाज़ी चल रही थी, ताकि आने वाले लोकसभा चुनाव में राजनीतिक लाभ लिया जा सके। उन्होंने कहा कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा के सांसद 26 वर्ष से हैं। इस बार कांग्रेस पार्टी ने सतपाल रायज़ादा को मैदान में उतारा है और एक बार हमीरपुर की जनता उन्हें मौक़ा अवश्य दे, ताकि इस क्षेत्र की सूरत बदली जा रही है। उन्होंने कहा कि रायज़ादा ट्रेन हमीरपुर पहुचाने की झूठी बात नहीं करेंगे, जबकि अनुराग ठाकुर हमेशा झूठ बोलते हैं। अनुराग हमीरपुर मेडिकल कॉलेज लाने का श्रेय भी खुद ही लेते हैं, जबकि सत्य यह है कि तीन मार्च 2014 को यूपीए सरकार में मेडिकल कॉलेज मैंने स्वीकृत कराया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की पिछली सरकार में हमीरपुर अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से नौकरिया बिकी नहीं नीलाम की गई। भारी भ्रष्टाचार को देखते हुए प्रदेश में नई सरकार बनते ही इसे भंग कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नए बनाये गये राज्य चयन आयोग ने पोस्ट कोड 817 की जेओए आईटी का परीक्षा परिणाम घोषित करवाया और अब डाक्यूमेंटेशन शुरू हो गई है।

इस अवसर पर कांग्रेस के हिमाचल प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह, उप-मुख्यमंत्रे मुकेश अग्निहोत्रे, कांग्रेस के हमीरपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी सतपाल रायज़ादा सहित अन्य पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस देश मे अन्याय के खिलाफ न्याय की लड़ाई लड़ रही:प्रतिभा सिंह

शिमला/शैल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से विक्रमादित्य सिंह की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर चुनाव प्रचार में डटने को कहा है। उन्होंने कहा है कि आने वाले 21 दिनों तक उन्हें दिन रात लोगों के बीच रहकर उन्हें विक्रमादित्य सिंह के पक्ष में भारी मतदान के लिए प्रेरित करना होगा।

मण्डी में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में प्रतिभा सिंह ने कहा कि जिसे जो भी जिम्मेदारी दी गई है उसे वह पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाना होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिये भाजपा किसी भी हतकंडे को अपना सकती है इसलिए इस पर उन्हें अपनी कड़ी नजर रखनी होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश मे अन्याय के खिलाफ न्याय की लड़ाई लड़ रही है। देश मे संविधान को बचाने की राहुल गांधी की इस लड़ाई में सभी को उनका साथ देना है। उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य सिंह मण्डी लोकसभा से चुनाव जीत कर प्रदेश की एक बहुत ही मजबूत युवा आवाज बनेगी।

सुप्रीम कोर्ट के बाद जनता की अदालत में भी हारेंगे दागी:उद्योग मंत्री

शिमला/शैल। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा है कि छह दागी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापस लेकर अपने गुनाह को कुबूल कर लिया है। उन्होंने कहा कि अयोग्य घोषित होने के बाद सभी छ: दागियों ने विधानसभा स्पीकर के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन दागियों ने अदालत में अपनी याचिका को वापस ले लिया है, जिसका सीधा मतलब यह है कि स्पीकर का फ़ैसला सही था और नियमों के अनुसार लिया गया था। उन्हें पता चल चुका था कि वह क़ानूनी लड़ाई हार चुके हैं और कोर्ट से फैसला उनके विरुद्ध ही आयेगा। उन्होंने कहा कि सभी छ: दागियों को अपनी याचिका वापस लेने का कारण सार्वजनिक करना चाहिए। उनका असली चेहरा सामने आ गया है और उन्हें प्रदेश की जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए।

उद्योग मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से हारने के बाद अब दागियों का फ़ैसला जनता की अदालत में होगा, लेकिन वहां भी उनकी हार तय है। आज हालत यह हो गई है कि दागी अपने चुनाव क्षेत्र में लोगों का सामना नहीं कर पा रहे। लोग सवाल पूछ रहे हैं और वह जवाब देने में नाकाम है। सभी छ: दागियों के खिलाफ पूरे प्रदेश में एक लहर बन गई है, जो एक जून को क़हर बनकर उनपर टूट पड़ेगी। जनता ने उपचुनाव में दागियों को हराने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के धनबल को जनबल जवाब देगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मतदाता लोकसभा की सभी चार सीटें और विधानसभा की छह सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों को बहुत बड़े अंतर से विजयी बनाएँगे और भविष्य में ख़रीद-फरोख्त की राजनीति पर पूर्ण विराम लगाएँ। उन्होंने कहा कि दागियों को जनता की सज़ा मिलने के बाद भविष्य में प्रदेश का कोई विधायक बिकने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा।

हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि दागियों ने कांग्रेस पाटह्र ही नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता के साथ धोखा किया और अपने चुनाव क्षेत्र की जनभावनाओं का अपमान किया। भाजपा के धनबल के प्रभाव में आकर उन्होंने अपने ईमान का सौदा किया और सरकार गिराने का षडडंत्र रचा। लेकिन भाजपा और बाग़ियों का मिशन फेल हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार अपने पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी।

लोकसभा चुनाव में 200 का आंकड़ा भी नहीं छू पाएगी भाजपा:रोहित ठाकुर

शिमला/शैल। लोकसभा चुनाव के लिए अब तक हुए तीन चरणों के चुनाव में भाजपा की हवा निकल गई है। भाजपा इस बार 200 का आंकड़ा भी नहीं छू पाएगी। यह बात शिक्षा मंत्री

रोहित ठाकुर ने शिमला में पत्रकारों से रूबरू होते हुए कही। उन्होंने कहा कि भाजपा जुमलों की सरकार है जो बड़े-बड़े वायदे करती है लेकिन जमीन पर ध्रुवीकरण की राजनीति कर सत्ता हथियाना चाहते हैं। इस बाद देश मे बड़ा बदलाव होने वाला है जहां भाजपा 2004 की तरह इंडिया शाइनिंग की तरह धराशाही होने वाली है। 4 जून को भाजपा को बड़ा सदमा बड़ी हार के साथ लगने वाला है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि भाजपा 2014 में किये गये वायदों की बात दस साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नहीं करती है। पीएम मोदी से लेकर भाजपा के शीर्ष नेता सिर्फ धरुवीकरण की बात करते हैं भाजपा न तो आज बेरोजगारी, महंगाई और किसानों-बागवानों की बात करते हैं न महिलाओं की सुरक्षा की बात। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2014 में देश के युवाओं को प्रतिवर्ष 2 करोड़ नौकरी देने की बात कही थी लेकिन आज देश ने बेरोजगारी की दर में 45 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। देश विश्व में बेरोजगारी की दर में सबसे टॉप पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि देश का युवा आज पकौड़े तलने पर मजबूर है देश मे महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है। महंगाई सातवें आसमान पर है और किसान- बागवान आत्महत्या करने को मजबूर है। पिछले दस वर्षों में देश का किसान-बागवान अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन करते रहे लेकिन अहंकारी सरकार को अंतत:तीन काले कृषि कानूनों को वापिस लेना पड़ा। उसी तरह देश में युवाओं के लिए सेना में भर्ती होने का सपना भी चकनाचूर कर अग्निवीर योजना लायी है जिससे युवा वर्ग परेशान हो गया है।

रोहित ठाकुर ने शिमला संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी व पूर्व सांसद सुरेश कश्यप को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि सुरेश कश्यप पिछले पांच साल में भूमिगत रहे। न तो जनता के बीच दिखाई दिए और न ही जनता की समस्याओं को सुलझा पाये। उन्होंने कहा कि एम.पी.एल.ए.डी.एस. फंड में भी सांसद ने भाई भतीजावाद को बढ़ावा दिया। पांच साल पहले सोलन के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र की 46 पंचायतों से भाजपा प्रत्याशी को 41 हजार की लीड मिली थी लेकिन पांच साल में उसी विधानसभा की 27 पंचायतों को अनदेखा कर एक भी पैसा नहीं मिला जिसका जवाब अब यहां की जनता देगी। उसी तरह सिरमौर और शिमला जिला की पंचायतों को भी अनदेखा किया गया है जहां एमपीएलएडीएस का फंड बांटने में भाई भतीजावाद किया गया।

कांग्रेस सरकार पूरी तरह मजबूत:अवस्थी

शिमला/शैल। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने कहा है कि प्रदेश में भाजपा अपनी हार को देखते हुए हताशा में है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के नामांकनो में जिस प्रकार से लोगों की भीड़ उमड़ रही है उससे भाजपा की नींद उड़ गई है। कांग्रेस प्रदेश की चारों सीटों के साथ साथ छ: विधानसभा क्षेत्रों में बहुत ही मजबूत स्थिति में है और सभी में जीत हासिल करेगी।

संजय अवस्थी ने पार्टी नेताओं व पदाधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा कि उन्हें भाजपा के किसी भी षडयंत्र पर अपनी पूरी नजर रखते हुये उनके किसी भी धनबल पर भी नजर रखनी होगी।

अवस्थी ने महिला मोर्चा पर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों के प्रति पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं को कुछ भी मुफ्त नही दे रही है,जैसा कि महिला मोर्चा कह रही है। कांग्रेस ने चुनाव से पूर्व उन्हें 1500 की सम्मान राशि देने का वादा किया था उसे वह पूरा करने के प्रति कृतसंकल्प है।

अवस्थी ने कहा कि प्रदेश में ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार पूरी तरह मजबूत है।

प्रधान, वार्ड सदस्य सहित 11 लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन

शिमला/शैल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता व ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस संगठन दिनों दिन मजबूत होता जा रहा है। केलवी पंचायत की प्रधान सहित वार्ड सदस्य, पूर्व कर्मचारी नेता व 11 लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा। कांग्रेस परिवार में शामिल होने वाले कार्यकर्ता ने कहा कि कुलदीप राठौर ने डेढ़ साल के भीतर थे ठियोग विधानसभा क्षेत्र में जो कार्य किये हैं और बागवानों की आवाज को प्रखर तरीके से विधानसभा व केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है उससे प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया है।

इससे पहले बीते दिनों में कुमारसेन व ठियोग में भारी संख्या में लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा था।

विधायक कुलदीप राठौर ने कांग्रेस परिवार में शामिल हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की नींव है। उन्होंने सभी से अपील की कि वह लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत के लिए मेहनत करें व आज से ही प्रचार में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि ठियोग विधानसभा क्षेत्र को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाना उनका एकमात्र लक्ष्य है। बागवानों की आवाज को उन्होंने पहले भी उठाया, व आगे भी प्रखर तरीके से उठाते रहेंगे। बागवानों के हितों से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस में शामिल होने वाले लोगों ने कहा कि अब हम सब मिलकर कुलदीप सिंह राठौर के कंधों को और भी मजबूत करेंगे। कांग्रेस में शामिल होने वालों में केलवी पंचायत की प्रधान अंजना कश्यप, देवीराम शर्मा, सोहन लाल वर्मा, प्रेम शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, सतीश कश्यप, विवेक शर्मा, कपिल शर्मा, देवी राम वर्मा, जोगिंदर वर्मा और नरेश वर्मा ने कांग्रेस का दामन थामा। ठियोग विधानसभा क्षेत्र के चुनाव पर्यवेक्षक राजेश वर्मा, प्रभारी सत्यजीत नेगी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कंवर नरेन्द्र सिंह, जिला शिमला महिला अध्यक्ष वनिता वर्मा, सहित अन्य नेता इस दौरान मौजूद रहे। डीआर शर्मा कर्मचारी नेता रहे हैं व 2017 का विधानसभा चुनाव भी लड़ा था।

जिसके साथ श्रेष्ठ विचार रहते हैं, वह कभी भी अकेला नहीं रह सकता।

..... स्वामी विवेकानंद

सम्पादकीय

क्या यह चुनाव मुद्दों पर आ पायेगा

प्रदेश में लोकसभा के साथ ही छः विधानसभा उपचुनाव भी होने जा रहे हैं। बल्कि इन उपचुनावों ने लोकसभा चुनावों को दूसरे स्थान पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसलिए इन उपचुनावों के लिए जिम्मेदार रही स्थितियों और उनके कारणों पर विचार करना आवश्यक हो जाता है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने पन्द्रह माह का समय हो गया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को दस गारंटीयां दी थी। लेकिन सरकार बनने के बाद सबसे पहले प्रदेश की जनता को राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर यह चेतावनी दी कि हालात कभी भी श्रीलंका जैसे हो सकते हैं। इस चेतावनी के परि श्य में जनता गारंटीयों पर ज्यादा मुखर नहीं हुई। इसी चेतावनी के परि श्य में सरकार ने पूर्व सरकार द्वारा अंतिम छः माह में लिये गये फैसले बदलते हुये नये खोले गये संस्थान बन्द कर दिये। यह संस्थान बन्द करने पर विपक्षी भाजपा ने तो प्रदेश भर में धरने प्रदर्शन किये लेकिन आम आदमी इससे दूर रहा।

लेकिन जब सरकार ने मंत्रिमण्डल विस्तार से पहले ही छः मुख्य संसदीय सचिवों की नियुद्रियां कर दी तब आम आदमी सरकार की कार्यप्रणाली पर नजर रखने लगा। मुख्य संसदीय सचिवों की नियुद्रियों के बाद जब सरकार में नियुद्र हुये सलाहकारों और विशेष कार्यधिकारियों की संख्या करीब दो दर्जन के पास पहुंच गयी तब पाटह के भीतर बैठे नेताओं और दूसरे लोगों ने भी इसका संज्ञान लेना शुरू कर दिया। पाटह अध्यक्षा और दूसरे कुछ विधायकों ने इस पर चिन्ता व्यद्र करना शुरू कर दी। पाटह के कार्यकर्ताओं को उचित मान सम्मान नहीं मिलने के आरोप हार्हकमान तक जा पहुंचे। हाईकमान ने सरकार और संगठन में तालमेल के लिये कमेटी तक का गठन कर दिया। लेकिन यह कमेटी भी पूरी तरह निष्क्रिय होकर रह गयी। आम आदमी को राहत के नाम पर केवल व्यवस्था परिवर्तन का जुमला सुनने को मिला। बेरोजगार युवा रोजगार के लिये धरने प्रदर्शनों तक आ गये। विधानसभा में इस आशय के आये हर सवाल का एक ही जवाब आया की सूचना एकत्रि की जा रही है।

जिस वित्तीय स्थिति पर प्रदेश को चेतावनी तक दी गयी उसमें विपक्ष ने आरटीआई के माध्यम से आंकड़े जुटा कर यह आरोप लगा दिया कि यह सरकार पन्द्रह माह में 25000 करोड़ का कर्ज ले चुकी है। सरकार इस आरोप का कोई जवाब नहीं दे पायी है। पूर्व की भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाकर उसके खिलाफ श्वेत पत्र भी लायी लेकिन इस पर आज तक कोई सार्वजनिक बहस नहीं हो पायी है। 25 हजार करोड़ का कर्ज़ करके भी कर्मचारियों को उनके देय वितिय लाभों का भुगतान नहीं हो पाया है। ओ पी एस लागू करने के लिये बिजली बोर्ड जैसे अदारे अरसे से मांग करते-करते अब चनावों का बहिष्कार करने की चेतावनी देने पर आ गये हैं। इस पूरी वस्तुस्थिति में यह सवाल खड़ा होता जा रहा है कि जब सरकार अपने खर्चो पर लगाम लगाने के लिये तैयार नहीं है तो फिर आम आदमी पर बोझ क्यों डाला जा रहा है। विभिन्न सेवाओं और वस्तुओं के दामों में वृ) करके सरकार दो हजार करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित कर चुकी है। राजस्व बढ़ाने के लिये जल उपकर लगाने जैसे सारे उपाय अदालती परीक्षा में सफल नहीं हो पाये हैं। लेकिन सरकार किसी भी मुद्दे पर सार्वजनिक बहस के लिये तैयार नहीं हो रही है।

ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार इसी सहारे चुनावी वैतरणी पार कर लेगी कि उसकी सरकार धन बल के सहारे गिराने का प्रयास हो रहा है। क्या इस आरोप की आड़ में अन्य मुद्दे गौण हो जायेंगे।

लव जेहाद गलत विमर्श, जबरन धर्मांतरण का इस्लाम में कोई स्थान नहीं

गौतम चौधरी

हाल के दिनों में, 'लव जिहाद' शब्द बड़ी तेजी से सुर्खियां बटोरने लगा है। इस मामले को लेकर विभिन्न प्लेटफार्मों पर बहस और चर्चाएं हो रही है। चर्चा के केंद्र में एक बुनियादी सवाल, जबरन धर्मांतरण का जरूर होता है। अब सवाल यह उठता है कि इस्लाम में क्या जबरन धर्मांतरण को प्रश्रय दिया गया है? इसका अन्वेषण बेहद जरूरी है। दरअसल, हम जिस समाज में रह रहे हैं, वह समाज बहुपांथिक और बहुसांस्कृतिक है। बहुलतावादी संस्कृति हमारी सभ्यता की बुनियाद है। हमारे देश में दुनिया भर के लोग आए और वे अपनी संस्कृति, पंथ, आस्था एवं चिंतन साथ लाए लेकिन भारत अपने तरह का देश है। आज भी यहां तमाम संस्कृतियां, अपने शुद्ध रूप में दिखाई देती है। यहां यह भी बता दें कि जिस मूल क्षेत्र की संस्कृति भारत में आयी, उस क्षेत्र में वह संस्कृति और सभ्यता समाप्त हो चुकी है लेकिन भारत में जिंदा है। ऐसे कई उदाहरण हैं। उसकी चर्चा फिर कभी करूंगा, फिलहाल तो इस्लाम में जबरन धर्मांतरण का चिंतन है या नहीं, उसी पर अपना विमर्श केन्द्रित रखूंगा। तो विभिन्न इस्लामिक चिंतक और इस्लाम के मानक ग्रंथों के आधार पर आज हम यह जानने की कोशिश करेंगे कि जबरन धर्मांतरण के मामले में इस्लाम क्या कहता है।

इस्लाम के मूल में आस्था के मामले में स्वतंत्र इच्छा और व्यक्तिगत पसंद का सिद्धांत निहित है। इस्लाम के पवित्र ग्रंथों की बात करें तो उसमें स्पष्ट कहा गया है, 'धर्म इस्लाम में कोई जबरदस्ती न हो, क्योंकि सत्य स्पष्ट रूप से झूठ से अलग होता है।' यह वाक्यांश मूलः अंतरात्मा की स्वतंत्रता के प्रति इस्लाम की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और विश्वास के मामलों में किसी भी प्रकार की जोर जबरदस्ती को खारिज करता है। इस्लाम विश्वास के मामलों में स्वतंत्र इच्छा और व्यक्तिगत पसंद का महत्व देता है। इस्लाम में किसी को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने की धारणा इस्लामी शिक्षाओं के विपरीत है। इस मामले में बरेलवी फिरके के इस्लामिक विद्वान, मुफ्ती तुफैल खान कादरी का मानना है कि इस्लामी शिक्षाओं के अनुसार, अल्लाह ने अपने ज्ञान में, सभी व्यक्ति को खुद का रास्ता चुनने की आजादी दी है। पवित्र ग्रंथों में भी कई बार इसे दोहराया गया है। जब ऐसी बात हमें बतायी गयी है, तो जबरन धर्मांतरण की बात कहां से आयी?

इस्लाम द्वारा जबरन धर्मांतरण के समर्थन में आलोचक अक्सर संदर्भ से परे कुरान की आयतों और कुछ हदीस का हवाला देते हैं। हालांकि, इन स्रोतों की गहन जांच से एक अलग कहानी सामने आती है। उदाहरण के लिए, कुरान 2/190-193 और कुरान 8/38-39 जैसी आयतों को अक्सर गैर-विश्वासियों के खिलाफ हिंसा के लिए सही ठहराने के लिए पेश कर दिया जाता है। वास्तव में, ये उदाहरण विशिष्ट ऐतिहासिक संदर्भो में प्रकट हुए थे। यह मुख्य रूप से आक्रामकता और उत्पीड़न के खिलाफ आत्मरक्षा को लेकर कहा गया है, न कि किसी के खिलाफ बिना मलतब हिंसा के लिए। इसके अलावा, इस्लामी इतिहास, धार्मिक सहिष्णुता और सह-अस्तित्व के सिद्धांत का गवाह है। सदियों से, मुस्लिम-बहुल समाजों ने बहुलवाद और पारस्परिक सम्मान के लोकाचार को बढ़ावा देते हुए विविध धार्मिक समुदायों को अपनाया है। इस्लाम की सहिष्णुता की समृद्ध विरासत सभी व्यद्रियों के धार्मिक अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान करने की अनिवार्यता को रेखांकित करती है। इस मामले में युनाइटेड अरब अमिरात आधुनिक इस्लाम का सटीक उदाहरण है। ऐसे भी हमें अच्छा देखना चाहिए। हम पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सीरिया, ईरान, मिस्र को ही क्यों देखते हैं। हमें मलेशिया, इंडोनेशिया, यूनाइटेड अरब अमीरात को भी देखना चाहिए। हमें सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में बदल रहे सऊदी अरब और प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के नेतृत्व में बांग्लादेश के बदलाव को देखना चाहिए।

सच तो यह है कि इस्लाम बौद्धिक जांच और सत्य की खोज को प्रोत्साहित करता है। इस्लाम में विश्वास थोपा नहीं जाता, बल्कि आस्था को समझ और दृढ़ विश्वास के माध्यम से खोजा जाता है। भारत के मुसलमान, भारतीय मूल्यों का सम्मान करना जानते हैं। उन्हें इस बात की समझ है कि यह देश विविधताओं में एकता और सभी धर्मो के लिए पारस्परिक सम्मान के सिद्धातों को बनाए रखने वाला राष्ट्र है। हां, कुछ लोग जरूर राह भटक गए हैं। वह तो अन्य आस्था वालों में भी देखने को मिलता है। जहां तक प्रेम के साथ जिहाद को जोड़ने की बात है तो यह विशुद्ध राजनीतिक मामला है। इस्लाम इसके लिए कभी इजाजत नहीं दे सकता। यदि देता है तो वह इस्लाम नहीं हो सकता। प्यार के नाम पर दूसरे धर्मो से गलत तरीके से धर्मांतरण में शामिल नहीं होना चाहिए, क्योंकि इस्लाम स्पष्ट रूप से जबरन धर्मांतरण की मनाही करता है। इस संदर्भ में, थोड़ा मुसलमानों को भी सतर्क रहना होगा। यह जरूरी है कि मुसलमान अन्य समुदायों की लड़कियों को जबरदस्ती इस्लाम में शामिल करने से बचें। इस्लाम भारतीय समाज के ढांचे के भीतर विविध समुदायों के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की वकालत करता है। भारत में मुसलमान धार्मिक विविधता से देश में आने वाली समृद्धि को पहचानते हुए समावेशिता और सहिष्णुता के लोकाचार को अपनाएं और देश के विकास में अपनी भूमिका सूनिश्चित करें। हालांकि बड़ी तेजी से मुसलमानों की सोच में बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव जरूरी है। थोड़े सिरफिरों के लिए पूरे समाज को बदनाम नहीं किया जा सकता है। इसका खयाल मुसलमानों को भी रखना होगा।

निष्कर्षतः, इस्लाम स्पष्ट रूप से आस्था के मामलों में जबरन धर्म परिवर्तन और जबरदस्ती की धारणा को खारिज करता है। सच्चा विश्वास दृढ़ता और आस्था के प्रति उच्चकोटि के सम्मान से पैदा होता है। किसी का व्यवहार व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित करता है। जबरदस्ती या चालाकी बहुत दिनों तक नहीं चलती है। पूरी दुनिया में इस्लाम प्रेम और भाईचारे से फैला है। भारत में भी ऐसा ही हुआ है। जबरन इस्लाम में दीक्षित करने के उदाहरण जरूर हैं लेकिन भारत में जो इस्लाम आया है उसमें बड़ी भूमिका प्रेम और भाईचारे की है। सभी नागरिकों के धार्मिक विश्वासों की परवाह किए बिना उनके अधिकारों और स्वतंत्रता को बनाए रखना भारतीय संविधान का अनिवार्य दायित्व है। नागरिकों के रूप में, धार्मिक विविधता के प्रति सहिष्णुता, समझ और सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देना हम सभी का जिम्मेबारी है।

राम चरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक–लोकन 'यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया–पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में शामिल हुए

शिमला। राम चरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक–लोकन को 'यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया–पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में शामिल किया गया है। यह समावेशन भारत के लिए एक गौरव का क्षण है, जिससे देश की समृद्ध साहित्यिक विरासत और सांस्कृतिक विरासत की पुष्टि होती है। यह वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों में एक कदम आगे बढ़ने का प्रतीक है, जो हमारी साझा मानवता को आकार देने वाली विविध कथाओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों को पहचानने और सुरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डालता है। इन साहित्यिक उत्कृष्ट कृतियों का सम्मान करके, समाज न केवल उनके रचनाकारों की रचनात्मक प्रतिभा को श्रद्धांजलि देता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि उनका गहन ज्ञान और कालातीत शिक्षाएं भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें और उनकी जानकारियां बढ़ाती रहें।

'रामचरितमानस', 'पंचतंत्र' और 'सहृदयालोक–लोकन' ऐसी कालजयी रचनाएं हैं जिन्होंने भारतीय साहित्य और संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है, देश के नैतिक ताने–बाने और कलात्मक अभिव्यक्तियों को आकार दिया है। इन साहित्यिक कृतियों ने समय और स्थान से परे जाकर भारत के भीतर और बाहर दोनों जगह पाठकों और कलाकारों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उल्लेखनीय है कि 'सहृदयालोक–लोकन', 'पंचतंत्र' और 'रामचरितमानस' की रचना क्रमश: पं.

आचार्य आनंदवर्धन, विष्णु शर्मा और गोस्वामी तुलसीदास ने की थी।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कमेटी फॉर एशिया एंड द पैसिफिक (एमओडब्ल्यूसीएपी) की 10वीं बैठक के दौरान एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उलानबटार में हुई इस सभा में, सदस्य देशों के 38 प्रतिनिधि, 40 पर्यवेक्षकों और नामांकित व्यक्तियों के साथ एकत्र हुए। तीन भारतीय नामांकनों की वकालत करते हुए, आईजीएनसीए ने 'यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया–पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में उनका स्थान सुनिश्चित किया।

आईजीएनसीए में कला निधि प्रभाग के डीन (प्रशासन) और विभाग प्रमुख प्रोफेसर रमेश चंद्र गौड़ ने भारत से इन तीन प्रविष्टियों–राम चरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयालोक–लोकन को सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया। प्रो. गौर ने उलानबटार सम्मेलन में नामांकनों का प्रभावी ढंग से समर्थन किया। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए आईजीएनसीए के समर्पण को प्रदर्शित करती है, साथ ही, वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण और भारत की साहित्यिक विरासत की उन्नति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। ऐसा पहली बार हुआ है जब आईजीएनसीए ने 2008 में अपनी स्थापना के बाद से क्षेत्रीय रजिस्टर में नामांकन जमा किया है। गहन विचार–विमर्श से गुजरने और रजिस्टर उपसमिति (आरएससी) से सिफारिशें प्राप्त करने और बाद में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों द्वारा मतदान के बाद, सभी तीन नामांकनों को शामिल किया गया, जिससे 2008 में रजिस्टर की स्थापना से पहले की महत्वपूर्ण भारतीय प्रविष्टियों को चिह्नित किया गया।

पांचवें चरण में 8 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में 695 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे

शिमला। लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में 8 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के 695 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में होने वाले मतदान के लिए 8 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के 49 संसदीय क्षेत्रें के लिए कुल 1586 नामांकन–पत्र दाखिल किए गए। सभी 8 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में पांचवें चरण के लिए नामांकन–पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 3 मई, 2024 थी। दाखिल किए गए सभी नामांकन–पत्रो की जांच के बाद, 749 नामांकन–पत्र वैध पाए गए।

पांचवें चरण में, महाराष्ट्र के 13 संसदीय क्षेत्रों में अधिकतम 512 नामांकन–पत्र दाखिल किए गए थे। इसके बाद, उत्तर प्रदेश के 14 संसदीय क्षेत्रों में 466 नामांकन–पत्र दाखिल किए गए थे। झारखंड के 4–चतरा संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक 69 नामांकन–पत्र प्राप्त हुए और इसके बाद उत्तर प्रदेश के 35–लखनऊ संसदीय क्षेत्र में 67 नामांकन–पत्र प्राप्त हुए। पांचवें चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 14 है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने थैलेसीमिया से निपटने के लिए समय पर पता लगाने और रोकथाम के महत्व पर जोर दिया

शिमला। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने थैलेसीमिया से निपटने के लिए इसकी समय पर पहचान और रोकथाम के महत्व पर बल दिया है। अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर

आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सही समय पर इसकी रोकथाम करके ही इस बीमारी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि थैलेसीमिया से निपटने के लिए समय पर जांच और रोकथाम सबसे प्रभावी रणनीति है। उन्होंने कहा कि देश में थैलेसीमिया के लगभग एक लाख मरीज हैं और हर वर्ष लगभग 10,000 नए मामले सामने आते हैं। उन्होंने स्क्रीनिंग के माध्यम से समय पर रोग का पता लगाकर तुरंत रोकथाम पर बल दिया।

अपूर्व चंद्रा ने कहा कि थैलेसीमिया के बारे में लोगों को जागरूक करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अभी भी बहुत से लोगों को इस बीमारी के बारे में जानकारी नहीं है कि इसे कैसे रोका जा सकता है। यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र के सभी हितधारक थैलेसीमिया पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान में सहयोग करें। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उन्होंने थैलेसीमिया की प्रभावी रोकथाम के तरीकों और इष्टतम उपचार को बढ़ावा देने के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड थैलेसेमिक्स इंडिया के सहयोग से बनाया गया एक वीडियो लॉन्च किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने रोग की व्यापकता को कम करने के साधन के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत वर्तमान प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से थैलेसीमिया परीक्षण को शामिल करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने इसे अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और गतिविधियों में शामिल किया है। स्वास्थ्य सचिव ने अन्य राज्यों से आग्रह किया कि वे थैलेसीमिया के लिए स्क्रीनिंग और परीक्षण को शामिल करने और उसका विस्तार करें।

थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है जिसके कारण शरीर में सामान्य से कम हीमोग्लोबिन होता है। 8 मई को प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस मनाया जाता है, ताकि इस बीमारी की रोकथाम के महत्व पर लोगों को जागरूक किया जा सकें। हितधारकों को संवेदनशील बनाने और थैलेसीमिया से प्रभावित लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित किए जाने के लिए कार्य किया जाता है। इस वर्ष की थीम है– 'जीवन को सशक्त बनाना, प्रगति को गले लगाना: सभी के लिए न्यायसंगत और सुलभ थैलेसीमिया उपचार।' यह थीम थैलेसीमिया की व्यापक देखभाल के लिए सार्वभौमिक पहुंच की दिशा में सामूहिक मिशन को समाहित करती है।

इस अवसर आराधना पटनायक, अपर सचिव एवं प्रबंध निदेशक (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन)(भारतीय बाल रोग अकादमी के अध्यक्ष डॉ. जीवी बसवराज, थैलेसीमिक्स इंडिया की सचिव शोभा तुली, आईएपी के पीएचओ चैप्टर के मानद सचिव डॉ. मानस कालरा और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मार्कशीट और प्रमाणपत्र नतीजा घोषित होते ही डिजीलॉकर पर उपलब्ध होंगे

शिमला। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन सीआईएससीई ने एक अग्रणी डिजिटल परिवर्तन पहल करते हुए डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2024 के लिए आईसीएसई दसवीं कक्षा और आईएससी बारहवीं कक्षा परीक्षा परिणाम डिजिटल रूप से घोषित करने के लिए डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म का सहयोग लिया है। इसके अतिरिक्त, सीआईएससीई ने परिणाम घोषित होते ही डिजीलॉकर के माध्यम से प्रमाणपत्र और मार्कशीट उपलब्ध कराई। इस साल आईसीएसई के लिए कुल 2,43,617 छात्र उपस्थित हुए, जबकि 99,901 ने आईएससी परीक्षा दी।

3.43 लाख से अधिक छात्र अब परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद डिजिलॉकर पर सीआईएससीई द्वारा जारी किए गए अपने शैक्षणिक कागजात जैसे मार्कशीट और प्रमाण पत्र निर्बाध रूप से हासिल कर सकते हैं।

आईसीएसई 2024 में कुल 99.47 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए, जिसमें लड़कियों ने लड़कों से 99.65 प्रतिशत लड़कियां बनाम 99.31 प्रतिशत लड़के बेहतर प्रदर्शन किया। आईएससी परीक्षाओं में, 98.19 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। इसमें भी लड़कियों ने लड़कों की तुलना में 98.92 प्रतिशत लड़कियां बनाम 97.53 प्रतिशत लड़के बेहतर प्रदर्शन किया।

डिजीलॉकर डिजिटल इंडिया पहल के तहत प्रमुख मंच है। इसने बोर्डों, विश्वविद्यालयों और अन्य निकायों द्वारा डिजिटल प्रारूप में अकादमिक कागजात जारी करने और उन तक पहुंचने के लिए एक सुरक्षित, विश्वसनीय और पर्यावरण–अनुकूल समाधान प्रदान करके इस क्रांतिकारी कदम को सक्षम किया है।

पूरे भारत और विदेश में 2,42,328 छात्रों ने आईसीएसई उत्तीर्ण किया, वहीं 98,088 छात्रों ने आईएससी पास किया।

मार्कशीट और प्रमाणपत्र नतीजा घोषित होते ही डिजिटल प्रारूप में डिजीलॉकर पर उपलब्ध हैं। छात्र अपने प्रामाणिक डिजिटल दस्तावेज़ कभी भी, कहीं भी प्राप्त कर सकते हैं।

सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने घोषणा की है कि परीक्षा परिणाम अब डिजीलॉकर और सीआईएससीई की वेबसाइट पर परिणाम घोषित होते ही उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म पर अकादमिक कागजात की उपलब्धता पर भी चर्चा की।

दूरसंचार विभाग द्वारा 28,200 मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक करने के निर्देश जारी

शिमला। दूरसंचार विभाग डीओटी, गृह मंत्रालय एमएचए और राज्य पुलिस साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी में दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक साथ आए। इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य धोखेबाजों के नेटवर्क को नष्ट करना और नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाना है। गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधों में 28,200 मोबाइल हैंडसेट का दुरुपयोग किया गया था। डीओटी ने आगे विश्लेषण किया और पाया कि इन मोबाइल हैंडसेटों के साथ आश्चर्यजनक रूप से 20 लाख नंबरों का उपयोग किया गया था। इसके बाद, दूरसंचार विभाग ने देश भर के दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को 28,200 मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक करने और इन मोबाइल हैंडसेटों से जुड़े 20 लाख मोबाइल कनेक्शनों का तत्काल पुनरू सत्यापन करने तथा पुनरू सत्यापन में विफल रहने पर कनेक्शन काटने के निर्देश जारी किए।

यह एकीकृत दृष्टिकोण सार्वजनिक सुरक्षा तथा दूरसंचार बुनियादी ढांचे की अखंडता की रक्षा करने और एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करने के प्रति साझी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

फ्लॉप होगी जयराम की 'कंगना मंडी के अंगना' फिल्म:सीएम

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह के नामांकन कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंडी में एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा और बागियों पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विक्रमादित्य सिंह राजनीति के युवा हीरो हैं और आज वह राजनीति में नहीं होते, तो बॉलीवुड के टॉप के हीरो होते। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले वर्ष आयी आपदा में विक्रमादित्य सिंह ने

लोक निर्माण मंत्री के रूप में बेहतर काम किया और प्रभावितों के दुख दर्द में साथ रहे। उन्होंने कहा कि कंगना रनौत ने फिल्म इंडस्ट्री में बहुत नाम कमाया है, लेकिन जयराम ठाकुर उन्हें जबरदस्ती राजनीति में ले आये हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज्य प्रभारी राजीव शुक्ला की रणनीति के घबराकर जयराम ठाकुर ने चुनाव से किनारा कर लिया और अपनी जगह कंगना को मैदान में उतार दिया। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर ने कंगना से सिर्फ एक महीने के लिए शूटिंग की डेट मांगी है। फिल्म का नाम है 'कंगना मंडी के अंगना' लेकिन अगर डायरेक्टर फ्लॉप हो तो फिल्म का फ्लॉप होना तय है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी 2022 में जयराम ठाकुर ने फिल्म बनाई, जिसका नाम रखा 'रिवाज बदलेंगे' लेकिन जनता ने उन्हें ही बदल दिया। फिर 27 फरवरी 2024 को 'ऑपरेशन लोट्स' फिल्म बनाई, लेकिन वह फिल्म भी पिट गयी। इसलिए इस बार भी फ्लॉप डायरेक्टर की फिल्म फ्लॉप होना तय है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि जिस पार्टी ने कांग्रेस की एक राज्यसभा की सीट चुराई है, जनता उस पार्टी को अवश्य सबक सिखाएगी और लोकसभा की चारों सीटें तथा 6 विधानसभा उपचुनाव की सीटें कांग्रेस पार्टी के नाम करेगी।

उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर सिर्फ सिराज के मुख्यमंत्री थे और केवल वहीं का विकास करवाया। मंडी के बाकी विधानसभा क्षेत्रों से भी भेदभाव किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा में प्रदेश सरकार ने सब प्रभावित परिवारों की अपने परिवार की तरह मदद की। सबसे ज्यादा मदद नेता प्रतिपक्ष के विधानसभा क्षेत्र सिराज में दी। उन्होंने कहा कि मंडी मेरा परिवार है और मैं पार्टी देखकर मदद नहीं करता। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान प्रभावितों की मदद के लिए सरकार ने नियम बदल दिए और मकान के नुकसान पर मिलने वाले 1.30 लाख रुपए के मुआवजे को बढ़ाकर 7 लाख रुपए कर दिया।

इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह किसी परिचय के मोहताज नहीं है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र से उनके पिता स्व.वीरभद्र सिंह ने तीन बार व उनकी माता प्रतिभा सिंह ने भी तीन बार ही सांसद के तौर पर प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि इस बार उनके पुत्र प्रदेश में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह चुनाव मैदान में है। उन्होंने कहा कि एक तरफ विक्रमादित्य सिंह तो दूसरी तरफ एक अभिनेत्री जो पहली बार राजनीति में अपनी किस्मत आजमा रही है चुनाव मैदान में है। उन्होंने कहा कि आज उमड़ी भीड़ से साबित हो गया है कि विक्रमादित्य सिंह यह चुनाव जीत गए है।

इससे पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य,सांसद एवं प्रदेश मामलों के प्रभारी राजीव शुक्ला ने कहा कि आज के जन सैलाब ने साबित कर दिया है कि विक्रमादित्य सिंह यह चुनाव जीत गए है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर घर घर जाकर विक्रमादित्य सिंह को वोट मांगने का आहवान करते हुए कहा कि उन्हें 1 जून मतदान तक आराम से नही बैठना है। विक्रमादित्य सिंह को रिकार्ड तोड़ वोट मिलने चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने अपने सम्बोधन में उपस्थित जनसमूह का यहां आने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी आलाकमान ने इस बार उनकी जगह एक युवा व अनुभवी नेता को चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विक्रमादित्य सिंह नही मण्डी लोकसभा क्षेत्र के लोग चुनाव लड़ रहे है और यह जीत उनकी नही मण्डी संसदीय क्षेत्र के लोगों की होगी।

जनसभा को सम्बोधित करते हुए विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वह नेता या अभिनेता नही है वह जनसेवक है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय उन्होंने इस क्षेत्र के आपदा प्रभावित लोगों की हर संभव मदद की। उन्होंने कहा कि न तो भाजपा ने इस दौरान लोगों की कोई मदद की और न ही उनकी चुनाव लड़ रही प्रत्याशी।

विक्रमादित्य सिंह ने यहां उपस्थिति सभी लोगों का उनके इस समर्थन के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मण्डी संसदीय क्षेत्र को आदर्श सांसद क्षेत्र बनाना ही उनका प्रमुख लक्ष्य है और इसी लक्ष्य को वह आगे रख कर चल रहे है। उन्होंने कहा कि जो प्यार सम्मान उन्हें व उनके परिवार को प्रदेश के लोगों से मिला है उसका ऋण वह कभी भी नही चुका सकते।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह, कांगड़ा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी आनंद शर्मा, मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह, मंत्री, विधायक एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार कुटलैहड़ के विकास में कोई कसर नहीं रखेगी:उपमुख्यमंत्री

शिमला/शैल। ऊना, हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री

ने कुटलैहड़ विस से कांग्रेस के प्रत्याशी विवेक शर्मा के नामांकन से पूर्व उनसे व उनके समर्थकों के साथ समूरकलां में मुलाकात की। इस दौरान विधिपूर्वक पूजा अर्चना भी की। मुकेश अग्निहोत्री व विवेक शर्मा को माता चिंतपूर्णी से लाई गई चुनरी व प्रसाद से सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कुटलैहड़ से कांग्रेस प्रत्याशी विवेक शर्मा को नामांकन पत्र भरने की बधाई दी।

उन्होंने कांग्रेस समर्थकों से कहा की हर कार्यकर्ता एकजुट होकर के फील्ड में जुड़ जाए, क्योंकि यह चुनाव सत्य व असत्य के बीच है, यह चुनाव साजिश के खिलाफ है, यह चुनाव धर्म व अधर्म की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस की सरकार को मजबूत बनाने में कुटलैहड़ अहम योगदान देगा।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि कुटलैहड़ से धोखा करने वालों को जनमत का अपमान करने वालों को स्वार्थी लोगों को जनता सबक सिखाएं और विकास का रास्ता चुनते हुए कांग्रेस को मतदान करें। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि विवेक शर्मा पूरी तरह से कुटलैहड़ का विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार कुटलैहड़ के विकास में कोई कसर नहीं रखेगी। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि जनता के हर वायदे को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि पानी की समस्या का हल होगा, हर क्षेत्र में विकास होगा, पर्यटन का विकास करेंगे।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि कुटलैहड़ की जनता इस इतिहास को लिखेगी की जब एक तरफ धोखेबाज थे तो दूसरी तरफ ईमानदार व प्रदेश की सेवा विकास को आगे बढ़ाने वाली कांग्रेस को जनता ने चुना। उन्होंने कहा कि यह चुनाव इतिहास बनाएगा कुटलैहड़ अपना इतिहास लिख दे, विकास में कोई कसर नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी नेता कार्यकर्ता मतभेद मनभेद बुलाकर कांग्रेस के लिए काम करें, सबका मान सम्मान होगा।

लाहुल स्पीति में पर्यटन की संभावनाओं का दोहन किया जाएगा:विक्रमादित्य सिंह

शिमला/शैल। मण्डी संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि यह चुनाव देश की भावी राजनीति की दिशा व दशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि आज देश गम्भीर चुनौतियों से गुजर रहा है और हम सबको एकजुटता के साथ देश के साथ हो रहें अन्याय के खिलाफ एकजुट होना होगा।

स्पीति के काजा में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मण्डी संसदीय क्षेत्र को विकास का मॉडल बनाने की सोच के साथ वह आगे बढ़ रहे है। मण्डी मुख्यालय को स्मार्ट सिटी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाहुल स्पीति में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और इसका पूरा दोहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रोहतांग टनल बनने से यह क्षेत्र विश्व के पर्यटन मानचित्र पर उभरा है। यह टनल कांग्रेस की देन है, इसे कोई नकार नही सकता।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने स्पीति की महिलाओं को 1500 रुपए की गारंटी को पूरा कर एक इतिहास रचा है। जल्द ही इस योजना का लाभ पूरे प्रदेश में महिलाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा इसे रोकने के हरसंभव प्रयास कर रही है पर सरकार इसे हर हाल में पूरा करेगी।

विक्रमादित्य सिंह ने मण्डी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को उनकी भाषा के लिये आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उन्हें न तो जनजातीय क्षेत्रों का ज्ञान है और न ही इसके रीति रिवाजों का। उन्होंने कहा कि वह काजा में नही आयी क्योंकि वह काजा के लोगों से डरती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उसने हमारे धर्म गुरु का अपमान किया है उसके लिए लोग उसे कभी माफ नही करेंगे।

विक्रमादित्य सिंह ने लाहुल स्पीति विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी अनुराधा राणा को भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार पूरी तरह मजबूत है। उन्होंने कहा कि लाहुल स्पीति से उनका राजनीति का नही एक पारिवारिक रिश्ता है और हमेशा रहेगा।

इस दौरान राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि मण्डी संसदीय क्षेत्र से एक कर्मठ व योग्य अनुभवी नेता प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है तो दूसरी तरह एक ऐसी प्रत्याशी है जिसे न तो कोई क्षेत्र की जानकारी है और न ही इतिहास की।

लाहुल स्पीति की पार्टी प्रत्याशी अनुराधा राणा ने कहा कि यह क्षेत्र कांग्रेस का एक मजबूत गढ़ है और इसमें कोई भी सेंध नही लगा सकता। उन्होंने कहा कि लाहुल स्पीति के लोग हमेशा कांग्रेस सरकार की ऋणी रहेगी, क्योंकि यही से महिलाओं को 1500 रुपए की सम्मान निधि यही से शुरू की गई है। उन्होंने विक्रमादित्य सिंह के साथ साथ उन्हें भी भारी मतों से विजयी बनाने का आहवान करते हुए कहा कि केंद्र में विक्रमादित्य सिंह व प्रदेश में विधायक के तौर पर इस क्षेत्र में विकास की गति को तेज करेंगे।

जयराम ठाकुर महिला व कर्मचारी विरोधी:मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि देवभूमि हिमाचल की जनता बेईमानों का कभी साथ नहीं देती। हिमाचल देवी देवताओं की भूमि है, यहां के लोग ईमानदार हैं। वर्तमान चुनाव यह तय करेगा कि ईमानदारी जीतनी और बेईमानी हारनी चाहिए। कांग्रेस के छह पूर्व व तीन आजाद विधायकों ने खुद को भाजपा की राजनीतिक मंडी में बेचा है, इसलिए उन्हें जनता सबक सिखाएगी। यह चुनाव मुख्यमंत्री की कुर्सी या सरकार बचाने का नहीं, लोकतंत्र को बचाने का है। जनता का वोट 1 जून को यह तय करेगा कि लोकतंत्र की ताकत जनबल है या धनबल है। मुख्यमंत्री ने चौपाल विधानसभा क्षेत्र के कुपवी में लोकसभा उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी के लिए वोट की अपील करते हुए ये बातें कहीं।

उन्होंने कि यह साधारण चुनाव नहीं है। इस चुनाव से भविष्य की राजनीति की दशा और दिशा तय होगी। हिमाचल से 1 जून को धनबल की राजनीति करने वालों के खिलाफ पूरे देश में संदेश जाना चाहिए। नोटतंत्र के आगे जनबल जीतना चाहिए। अगर हिमाचल प्रदेश पूरे देश को लोकतंत्र बचाने के लिए दिशा दिखा सकता है तो 1 जून का समय बिल्कुल सही है। जनता के वोट से चुनकर आये विधायकों को दिल्ली में बैठी सरकार नोट के दम पर खरीद ले तो वोट का क्या मूल्य है। चुने हुए विधायकों को खरीदना जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। यह चुनाव सत्य व असत्य के बीच है। झूठ बार-बार सच के साथ टकराता है, लेकिन अंत में जीत सच की होती है। इस समय सवाल किसी पार्टी का नहीं, उनको सबक सिखाने का है, जिन्होंने जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। सरकारें आती-जाती रहेंगी, इस बार नोट से वोट खरीदने वालों को सबक सिखाना है।

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सत्ता के भूखे होने के साथ ही प्रदेश के कर्मचारियों और महिलाओं के विरोधी भी हैं। कर्मचारियों के ओपीएस मांगने पर लाठियां बरसाई व वाटर कैनन चलवाई। कर्मचारियों को चुनाव लड़ने के लिए कहा और जब कांग्रेस सरकार ने ओल्ड पेंशन दे दी तो सरकार व कर्मचारियों के एनपीएस अंशदान के 9000 करोड़ रुपये रुकवाने के लिए दिल्ली पहुंच गए। केंद्र सरकार ने ओपीएस देने पर हिमाचल सरकार की कर्ज सीमा में कटौती कर दी और एनपीएस अंशदान की राशि भी नहीं दे रहे। अब सरकार ने आचार संहिता लागू होने से पहले 18 साल से ऊपर की बेटियों व महिलाओं को 1500 रुपये पेंशन प्रति माह देने की योजना लागू की तो जयराम ठाकुर उसे रुकवाने चुनाव आयोग के पास पहुंच गए।

ठाकुर सुखविंदर सिंह ने कहा कि विनोद सुल्तानपुरी पढ़े-लिखे हैं, इन्हें सांसद बनाईये। यह आपकी दुख-तकलीफ समझते हैं। सरकार का साढ़े तीन साल का कार्यकाल शेष है, कुपवी में विकास कार्यों की कमी नहीं छोड़ी जाएगी। जून महीने के अंत में वह एक दिन व एक रात के लिए कुपवी आएंगे व यहां के लोगों की सारी मांगें पूरी करेंगे। भाजपा सांसद न तो आपदा में लोगों के साथ खड़े हुए न ही उनकी मांगों को संसद में उठाया। वह इतनी हिम्मत भी नहीं जुटा पाये कि देश के प्रधानमंत्रे और गृह मंत्रे को आपदा से निपटने के लिए विशेष राहत पैकेज देने की चिट्ठी लिख सकें।

भाजपा व जयराम को जनहितैषी कार्य रास नहीं आ रहे, इसलिए सरकार

कांग्रेस राम विरोधी, सनातन विरोधी और राष्ट्र विरोधी ताकतों के साथ हाथ मिलाने वाली पार्टी: नड्डा

शिमला/शैल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में आयोजित पन्ना प्रमुख सम्मेलन को संबोधित किया और कांग्रेस की तुष्टिकरण एवं सनातन विरोधी राजनीति पर जमकर निशाना साधा। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर से भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पन्ना प्रमुख उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं को गर्व महसूस करना चाहिए कि वे भाजपा के सदस्य हैं। आज इस एक मंच पर भाजपा के पन्ना प्रमुख भी हैं, बूथ अध्यक्ष भी हैं, मंडल अध्यक्ष भी हैं, प्रदेश अध्यक्ष भी और राष्ट्रीय अध्यक्ष भी। आज पूरे भारत में हमारे 8 लाख 60 हज़ार बूथ अध्यक्ष है। लोक सभा के 303 सदस्य, राज्य सभा में 97 सदस्य, देश में लगभग 1500 विधायक है, 180 के आस-पास हमारे मेयर है, हजारों की संख्या में हमारे जिलाध्यक्ष है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 5 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से छलांग लगाकर 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गई है। आज हमारा भारत पेट्रो-केमिकल में सबसे आगे है, दवाई बनाने में दुनिया का दूसरा बड़ा देश है। आज सबसे सस्ती और असरदार दवा बनाकर हम दुनिया की सबसे बड़ी डिस्पेंसरी बन गए हैं। आज मोबाइल पर लिखा रहता है मेड इन इंडिया।

नड्डा ने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, दलित, शोषित, युवा और किसान-इनकी तस्वीर आज मोदी की नीतियों के कारण बदली है। पहले हिमाचल में 40 सड़कों के निर्माण के लिए मात्र 40 लाख रुपये आते थे और उतने में केवल आधा-आधा किलोमीटर की सड़कें ही बनती थी, लेकिन जब भाजपा की अटल बिहारी सरकार आई तो प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत इसी इलाके की 85 प्रतिशत सड़कों का निर्माण हुआ। आज 1.5 लाख पंचायतों में आप्टिकल फाइबर पहुंचा है, 2 लाख से ज्यादा गांव को आज कॉमन सर्विस सेंटर से जुड़ गए हैं। आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक-एक पंचायत में 40-40 घर बनें हैं और पूरे देश में गरीबों के

लगभग 4 करोड़ घर बने हैं। आप अगर हमारे प्रत्याशियों को जितायेंगे तो 3 करोड़ और घर अगले 5 सालों में बनेंगे। अब आपके बिजली का बिल जीरो करने और कमाई के लिए हम प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के माध्यम से घरों में सोलर पैनल लगवाने का काम कर रहे हैं। आज प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत भारत की 40 प्रतिशत की गरीब आबादी को 5 लाख रुपए तक की मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया करायी जा रही है। जयराम के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने हिमाचल की जनता के लिए इसमें 'हिम केयर योजना' को और जोड़ दिया जिसके तहत लोगों को 5 लाख का हेल्थ कवर दिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि अब कांग्रेस 'विचार शून्य पार्टी बनकर रह गई है। कांग्रेस पार्टी राम विरोधी, सनातन विरोधी और राष्ट्र विरोधी ताकतों के साथ हाथ मिलाने वाली पार्टी है। सोनिया गांधी जब यूपीए की चेयरपर्सन थी, तब यूपीए की सरकार ने भगवान श्री राम के अस्तित्व पर सवाल उठाये थे और भगवान को काल्पनिक बताकर कोर्ट में हलफनामा दिया था। कांग्रेस के नेता कपिल सिब्बल ने श्री रामजन्मभूमि के मुद्दे को अटकाने, लटकाने और भटकाने का हर संभव प्रयास किया था।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता एवं राहुल गाँधी के सलाहकार सैम पित्रोदा द्वारा भारत के लोगों पर रंगभेदी एवं नस्लभेदी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता को एक बार पुनः शर्मसार करने का प्रयास किया। सैम पित्रेदा ने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर के लोग चीनी जैसे दिखते हैं, पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर भारत के लोग अंग्रेजों जैसे दिखते हैं और दक्षिण भारतीय अफ्रीकन जैसे। ऐसी सोच वाले लोग केवल भारत में विभाजन ही कर सकते हैं, देश को खंडित करने का कुप्रयास ही कर सकते हैं। स्पष्ट है कि विकास कार्य कांग्रेस के द्वारा हो ही नहीं सकते, वे केवल समाज में नफरत के बीज बो सकते हैं।

नड्डा ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रदत्त संविधान में स्पष्ट लिखा है कि भारत में धर्म के नाम पर आरक्षण नहीं हो सकता है, लेकिन कांग्रेस पार्टी एक धर्म विशेष के लोगों को आरक्षण देने की बात करती है। राहुल गांधी संविधान की कॉपी लेकर चलते है लेकिन उसे पढ़ते-लिखते नहीं हैं। वे केवल षडयंत्र कर दलित, पिछड़े एवं आदिवासी समाज का हक़ छीनना चाहते हैं, उनका आरक्षण छीनना चाहते हैं। उन्होंने सभी पन्ना प्रमुखों से आग्रह किया कि वे घर-घर जाकर सभी माताओं-बहनों और बुजुर्गो का आशीर्वाद प्राप्त कर, भाजपा द्वारा किए गये विकास कार्यो की उल्लेख्य करें और भाजपा को हिमाचल प्रदेश की सभी 4 सीटों पर भाजपा को विजयी बनायें।

जीतेंगे अनुराग ठाकुर:जयराम

शिमला/शैल। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने हमीरपुर में भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर के समर्थन में आयोजित आशीर्वाद यात्रा और जनसभा में भाग लिया। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस जनसभा में उमड़ी संख्या देखकर ही 4 को आने वाले परिणाम का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। इस बार अनुराग ठाकुर इतिहास को दोहराते हुए 5 लाख से भी ज्यादा वोटों से जीतकर दिल्ली जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को मजबूती देंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से 10 साल के कार्यकाल में भारत की चौतरफा तरक्की हुई है, विकास के ऐतिहासिक काम हुये हैं, उसे देख कर देशवासी सोचते हैं कि नरेन्द्र मोदी जैसा नेतृत्व हमें पहले क्यों नहीं मिला। आज भारत ही नहीं विदेशों के लोग भी चाहते है कि नरेन्द्र

मोदी ही फिर से भारत के प्रधानमंत्री बने। अभी परिणाम भी नहीं आये हैं फिर भी कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष नरेन्द्र मोदी को अपने देश आने का निमंत्रण भी दे चुके हैं। इस मौक़े पर उनके भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफ़ेसर प्रेम कुमार धूमल, हिमाचल भाजपा के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, ऊना से विधायक सतपाल सिंह सत्ती, राजिन्द्र राणा, इन्द्रदत्त लखनपाल समेत अन्य नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयराम ठाकुर ने कहा कि अनुराग ठाकुर को चार बार जिताकर हमीरपुर के लोग जीत का चौका लगवा चुके हैं। पिछली बार जीत का अंतर 4 लाख से अधिक था लेकिन पांचवीं बार अनुराग ठाकुर की जीत का अंतर 5 लाख से भी ज्यादा होना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पिछले 10 साल भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम रहे। आँकड़े गवाह हैं कि चाहे एअरपोर्ट हो या मेडिकल कॉलेज, आईआईटी-आईआईएम और एम्स हो या डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालय सबकी संख्या में ऐतिहासिक वृद्धि हुई हैं। देश भर में यातायात सुविधा के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक प्रगति हुई है। विकास की इस रफ्तार को और तेज करने और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए नरेंद्र मोदी को 400 से ज्यादा सीटों के साथ प्रधानमंत्री बनाना है। जिसमें हिमाचल चार सीटों का भी सहयोग देने जा रहा है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रयासों के कारण ही आज हिमाचल प्रदेश फोरलेन और टनल वाले राज्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। जिन जगहों पर पहुँचने के लिए पूरे-पूरे दिन सफर करना पड़ता था आज वह दूरियाँ चंद घंटों में तय हो रही हैं। तीसरे कार्यकाल में नरेन्द्र मोदी सरकार ने हिमाचल के लिए एक लाख करोड़ रुपये के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की गारंटी दी है। जो हर हाल में पूरी होगी। हिमाचल समेत पूरे देश के विकास को गति देने के लिए ज़रूरी है कि आप लोग अनुराग ठाकुर को ज्यादा से ज्यादा वोट देकर भारी से भारी मतों से विजयी बनायें।

मुख्यमंत्री नहीं कोमेडियन के रोल में नज़र आते हैं सुक्खू:बिंदल

शिमला/शैल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने पन्ना प्रमुख सम्मेलन नहान मंडल को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश की कांग्रेस सरकार कोमेडी की सरकार बनकर रह गई हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कहीं भी जाते है तो वहाँ कोई ना कोई कॉमेडी करके आ जाते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में न नेता हैं और न ही नज़रिया। सुखविंदर सिंह सुक्खू प्रदेश में अपने द्वारा डेढ़ साल में किये कार्यों का ब्यौरा देने के बजाये मंचों पर मस्खरी करते नज़र आते हैं। प्रदेश को पहली बार ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जिसका कोई विज़न नहीं हैं और छुटभइयें और गली-मुहल्ले के नेता की तरह ब्यानबाजी करते नज़र आते हैं।

उन्हांने कहा कि कांग्रेस से रूष्ट होकर निकले विधायकों को आज जिस प्रकार के उपनाम व संज्ञाए देकर सुक्खू उन्हें परिभाषित कर रहें हैं वह कोई मर्यादित व्यक्ति नहीं कर सकता, चूंकि उनके पास कहने को कुछ नहीं हैं इसलिये वह जनता को अपने शब्दों से भ्रमित कर रहें हैं। आज मुख्यमंत्री बंद संस्थानों पर क्यों बात नहीं करते, विकास जो रूका पड़ा है, पर बात नहीं करते, बेरोजगारी पर बात नहीं करते, आते ही जिन आउटसोर्स व कोविड कर्मियों को निकाला पर बात नहीं करते, डेढ़ साल में एक भी रोजगार नहीं निकाला उस पर बात नहीं करते, वे सिर्फ बात करते हैं रोज़ नई शब्दावली, मकरझंडू, कालानाग, भेड़-बकरीयां, बरसाती मेंढ़क की, और करें भी क्यों न कांग्रेस की संस्कृति, भाषाशैली यही हैं। जबतक व्यक्ति काम का हो तो वाह-वाह नहीं तो आलोचना।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमें कहने की आवश्यकता ही नहीं है यदि कुछ साल पहले के 6 बार मुख्यमंत्री रहे स्व. वीरभद्र सिंह जी के मीडिया के दिये ब्यानों को खंगाला जाये तो साफ शब्दों में वे कहा करते थे ''सुक्खू ब्लैकमेलर हैं, काम करना नहीं और गड़बड़ करके इल्जाम दूसरों के सिर मढ़ना'' जो आज सिद्ध हो रहा हैं। मुख्यमंत्री ने अपने दोस्तों को लाभ देने के लिए इन विधायकों को प्रताड़ित किया। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र जी ने उस समय यह भी कहा था कि कांग्रेस पार्टी को डुबोने का कार्य भी सुक्खू कर रहें हैं। भाजपा इस विषय में खुद कुछ नहीं कह रही उनका चरित्र-चित्रण तत्कालिक मुख्यमंत्री ने स्वंय किया हैं जो कि आज भी प्रदेश में बड़ा स्थान रखते हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया ने कहा कि कांग्रेस के पास न नेता न नीयति और न ही नेतृत्व हैं। पूरे भारतवर्ष में हर्ष का माहौल है भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बार 400 पार के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त करेगी। उपमुख्यमंत्री दिया ने कहा कि सांसद सुरेश कश्यप ने बहुत मजबूती से लोकसभा में मुद्दे उठाये हैं, प्रदेश की सभी समस्याए हमेशा ही संसद में रखी है और बहुत से विकास के काम भी हुये है। सुरेश कश्यप शिमला संसदीय क्षेत्र से सांसद जीत के जाये ताकि प्रदेश के विकास को सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर सांसद एंव प्रत्याशी सुरेश कश्यप भी मौजूद रहें।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा भारत:अनुराग ठाकुर

शिमला/शैल। केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर अपने संसदीय क्षेत्र में हमीरपुर में जनसभाएं और बैठकों के दौरान कहा कि इन चुनावों में कांग्रेस की हार निश्चित है और कांग्रेस इस हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने की तैयारी कर रही है। अनुराग ठाकुर ने कहा हिमाचल में भाजपा हिमाचल में सभी 4 की 4 और देश में 400 सीटें जीतेगी।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार ने देश का चहुमुखी विकास सुनिश्चित किया क्योंकि देश की जनता ने मोदी को मौका दिया। मोदी सरकार की हैट्रिक होगी तो देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। विपक्ष का काम है लोगों को गुमराह करना मगर आज आंकड़े बताते हैं कि रोजगार बढ़ा है और बेरोजगारी दर घटी है। '2018 से लेकर 2024 तक ईपीएफओ में 7 करोड़ 60 लाख लोग इनरोल हुए हैं। यानी इतने लोगों को फॉर्मल सैक्टर में रोजगार मिला है और ऐसा तब हुआ है जब इसमें लगभग 2 वर्ष कोविड के कारण अस्त व्यस्त रहे। इसके अलावा लगभग 30 करोड़ ई-श्रम कार्ड बनाए गए हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत 41 लाख ऋण दिए गए जिससे लोगों को अपने पैरों पर खड़ा होने का मौका मिला। इसके अलावा मात्र इसी साल एक करोड़ 44 लाख लोगों को रोजगार मिला है। 10 लाख लोगों को मोदी सरकार ने पिछले वर्ष हीं सरकारी नौकरी दी है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि बेरोजगारी दर लगातार गिर रही है और हम अभी भी इसे और काम करने के लिए प्रयासरत हैं। आज से 2 वर्ष पहले जीएसटी कलेक्शन 90 हजार करोड़ की थी, आज 2 लाख 14 हजार करोड़ है। इससे पता चलता है कि हमारा व्यापार बढ़ा है और अगर व्यापार बढ़ा है तो क्या रोजगार नहीं बढ़ा होगा? इसी प्रकार विदेशी पूंजी निवेश 31 बिलियन डॉलर से बढ़कर 71 बिलियन डॉलर हो चुका है। इससे भी रोजगार बढ़े हैं।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिंटर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाष: 0177-2805015, 94180-15015 फैक्स: 2805015

जब पांच लाख से अधिक की सारी खरीद ऑनलाइन होना अनिवार्य है तो करीब 20 करोड़ की ऑफलाईन कैसे?

प्रशासनिक और राजनीतिक हल्को में जीआईसी का टैण्डर बना चर्चा का विषय

शिमला/शैल। हिमाचल सरकार ने पांच लाख से अधिक के कार्यो के निष्पादन और अन्य विक्रय में पारदर्शिता लाने के लिये सारी प्रक्रिया ऑनलाइन कर रखी है। इसके लिये हिमाचल टैण्डर के नाम से एक साइट बनायी गयी है। पांच लाख से अधिक का काम इस साइट पर अपलोड करना अनिवार्य है। ऑनलाइन प्रक्रिया में संबंधित विभाग इस साइट पर अपनी डिमाण्ड अपलोड कर देता है और उसके बाद सारी प्रक्रिया ऑनलाइन स्वत: चालू हो जाती है। इस प्रक्रिया में संबंधित विभाग का दखल नहीं के बराबर रहता है। क्योंकि बोलीदाता/सप्लायर से कोई सीधा वास्ता ही नहीं रह जाता है। इसमें भ्रष्टाचार होने की कोई गुंजाइश ही नहीं रह जाती है।

लेकिन क्या सरकारी अदारे इस नीति पर अमल कर रहे हैं। यह सवाल पिछले दिनों प्रदेश की जनरल इण्डस्ट्रीज उद्योग निगम द्वारा करीब 20 करोड़ की खरीद करने के लिये जारी किये गये ऑफलाइन टैण्डर के सामने आने से उठा है। जीआईसी ने शिक्षा विभाग के लिये चालीस हजार डैस्क खरीदने के लिये 13-3-2024 को टैण्डर जारी किया। इसमें 5-4-2024 को 2:30 बजे तक निविदायें आमंत्रित की गयी। 19-3-2024 को प्री बिड मीटिंग रखी गयी। इसमें हायर एजुकेशन के लिए अशोका इंटरप्राईसज के रेट मिडल रो 2685 रूपये, फन्ट रो 3985 रूपये, लास्ट रो 2385 रूपये और एलिमेंट्री एजुकेशन के लिये आनन्द इंटरप्राईजस के रेट मिडल रो 2584 रूपये, फन्ट रो 3884 रूपये , लास्ट रो 2384 रूपये स्वीकृत हुये हैं।

इन दिनों चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण सप्लायरों को व्यवहारिक रूप से आर्डर जारी नहीं किये गये हैं। यह टैण्डर 13-3-2024 को जारी हुआ था और 16-3-2024 को चुनावों की घोषणा के साथ ही चुनाव आचार संहिता लग गयी थी। इस टैण्डर में यह सवाल उठ रहा है कि जब पांच लाख से अधिक की हर खरीद के लिये ऑनलाइन टैण्डर अनिवार्य है तो इसमें उस नियम की अनुपालना क्यों नहीं हुई? क्या सरकार की ऑनलाइन प्रक्रिया में कोई कमी आयी है। क्या जीआईसी ने ऑफलाईन प्रक्रिया अपनाने के लिये कोई पूर्व अनुमति ले रखी है। इन दिनों क्योंकि चुनाव चल रहा है इसलिये यह प्रश्न प्रसांगिक हो जाते हैं। प्रशासनिक और राजनीतिक हल्को में यह टैण्डर गंभीर चर्चा का विषय बना हुआ है।

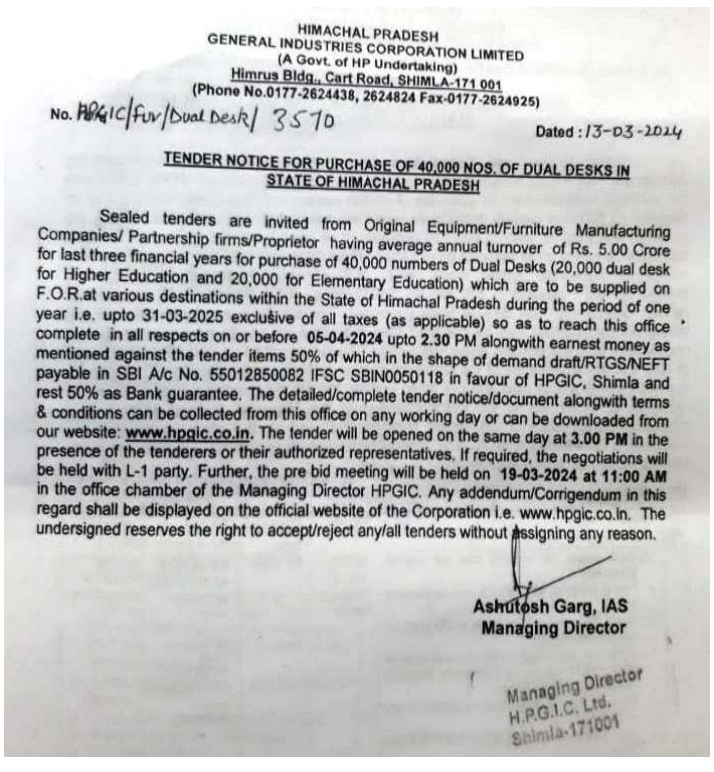

HIMACHAL PRADESH
GENERAL INDUSTRIES CORPORATION LIMITED
(A Govt. of HP Undertaking)
Himrus Bldg., Cart Road, SHIMLA-171 001
(Phone No.0177-2624438, 2624824 Fax-0177-2624925)

No. HPGIC/Fur/Dual Desk/ 3570 Dated : 13-03-2024

TENDER NOTICE FOR PURCHASE OF 40,000 NOS. OF DUAL DESKS IN STATE OF HIMACHAL PRADESH

Sealed tenders are invited from Original Equipment/Furniture Manufacturing Companies/ Partnership firms/Proprietor having average annual turnover of Rs. 5.00 Crore for last three financial years for purchase of 40,000 numbers of Dual Desks (20,000 dual desk for Higher Education and 20,000 for Elementary Education) which are to be supplied on F.O.R.at various destinations within the State of Himachal Pradesh during the period of one year i.e. upto 31-03-2025 exclusive of all taxes (as applicable) so as to reach this office complete in all respects on or before **05-04-2024** upto **2.30** PM alongwith earnest money as mentioned against the tender items 50% of which in the shape of demand draft/RTGS/NEFT payable in SBI A/c No. 55012850082 IFSC SBIN0050118 in favour of HPGIC, Shimla and rest 50% as Bank guarantee. The detailed/complete tender notice/document alongwith terms & conditions can be collected from this office on any working day or can be downloaded from our website: **www.hpgic.co.in**. The tender will be opened on the same day at **3.00 PM** in the presence of the tenderers or their authorized representatives. If required, the negotiations will be held with L-1 party. Further, the pre bid meeting will be held on **19-03-2024 at 11:00 AM** in the office chamber of the Managing Director HPGIC. Any addendum/Corrigendum in this regard shall be displayed on the official website of the Corporation i.e. www.hpgic.co.in. The undersigned reserves the right to accept/reject any/all tenders without assigning any reason.

Ashutosh Garg, IAS
Managing Director

Managing Director
H.P.G.I.C. Ltd.
Shimla-171001

लॉ फुल अथॉरिटी को की गयी शिकायत मानहानि नहीं होती

देवाशीष भट्टाचार्य बनाम रचना गुप्ता मामले में उच्च न्यायालय का फैसला
प्रभावशाली लोगों ने मानहानि को प्रताड़ना का साधन बना लिया था

शिमला/शैल। देवाशीष भट्टाचार्य बनाम रचना गुप्ता मामले में प्रदेश उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति बिपिन चंद्र नेगी की एकल पीठ ने कहा है कि Exception 8 to Section 499 clearly indicates that it is not a defamation to prefer in good faith and accusation against any person to any of those who have lawful authority over that person with regard to the subject matter of accusation. इस आधार पर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी की अदालत में रचना गुप्ता बनाम देवाशीष भट्टाचार्य मामले में चल रही कारवाई को निरस्त कर दिया है। यह मामला मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी की अदालत में 2021 में दायर हुआ था जिसका 9-5-2024 को उच्च न्यायालय में इस तरह निपटारा हुआ है।

स्मरणीय है कि जब डॉ. रचना गुप्ता जनवरी 2018 में प्रदेश लोकसेवा आयोग की सदस्य नियुक्त हुई थी तब उनके खिलाफ जोगिन्दर नगर की अदालत में एक आपराधिक मामला लंबित था जिसमें उस समय वह जमानत पर थी। देवाशीष भट्टाचार्य ने इस महामहिम राज्यपाल से इस संबंध में यह शिकायत कर दी की रचना गुप्ता ने अपने खिलाफ आपराधिक मामला लंबित होने की सूचना राजभवन को नहीं दी है। रचना गुप्ता ने इस शिकायत पर देवाशीष भट्टाचार्य के खिलाफ आपराधिक मामला दायर कर दिया था। जिसका अब निपटारा हुआ है। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि लॉ फुल अथॉरिटी के पास की गई शिकायत मानहानि नहीं होती। लोकसेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति महामहिम राज्यपाल करते हैं ऐसे में उनके पास दस्तावेज आधारित की गई शिकायत को अवमानना नहीं माना जा सकता।

इस फैसले से इस तरह के मामलों की स्थिति स्पष्ट हो गयी है। बहुत सारे ऐसे मामले भी सामने आये हैं जिनमें शिकायत की विधिवत्त जांच किये बिना ही शिकायतकर्ता को प्रताड़ित करने की घटनाएं घट चुकी हैं। बल्कि मानहानि को प्रताड़ना का हथियार बनाकर इस्तेमाल किया जा रहा था। प्रभावशाली लोग इसका खुलकर दुरुपयोग कर रहे हैं। अब इस पर रोक लगने की संभावनाएं बन गयी हैं।

29. In view of the aforesaid, the present petition is allowed and impugned order dated 16.07.2021, passed by learned Chief Judicial Magistrate, Shimla, H.P. in case No. 72-2 of 2021, titled ***Rachna Gupta vs. Dev Ashish Chattacharya***, as well as all consequential proceedings arising thereto are quashed and set-aside, so also, pending miscellaneous application(s), if any.

(Bipin Chander Negi)
Judge